सीधी ज़िला स्वतंत्रता के बाद पहली बार रेल-जाल से जुड़ेगा: सतना-देवेन्द्र नगर और रीवा-चुरहट खंड 24 अक्टूबर को

बुनियादी ढाँचा और क्षेत्रीय विकास | समाचार संदर्भ: 23 अक्टूबर 2026 (पीआईबी, रेल मंत्रालय) | प्रकाशित: 23 अक्टूबर 2026

खबरों में क्यों

24 अक्टूबर 2026 को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सतना-देवेन्द्र नगर (53 किमी) और रीवा-चुरहट (65 किमी) रेल-खंडों — कुल 118 किमी नई लाइन — का उद्घाटन करेंगे, और देवेन्द्र नगर-चुरहट रेल-सेवा भी हरी झंडी मिलेगी (पीआईबी, 23 अक्टूबर 2026)। इससे विंध्य क्षेत्र का सीधी ज़िला स्वतंत्रता के बाद पहली बार रेल-जाल से जुड़ जाएगा।

परियोजना और इंजीनियरिंग

- दोनों खंड **ललितपुर-सिंगरौली नई रेल-लाइन परियोजना** के अंतर्गत विकसित हुए हैं; यह परियोजना पन्ना, सतना, रीवा, सीधी और सिंगरौली जैसे क्षेत्रों की संपर्कता बढ़ाएगी और खनिज-समृद्ध इलाकों को प्रमुख औद्योगिक-परिवहन केंद्रों से जोड़ेगी।
- रीवा-चुरहट खंड (65 किमी) पहाड़ी इलाके में बना है; मार्ग में कई रेल-पुल और सुरंगें हैं, जिनमें **3.33 किमी लंबी सुरंग** प्रमुख है।
- सतना-देवेन्द्र नगर खंड सतना, नागोद, देवेन्द्र नगर और आसपास के क्षेत्रों की संपर्कता मजबूत करेगा।

आर्थिक और सामाजिक असर

क्षेत्र में चूना-पत्थर (लाइमस्टोन) और अन्य खनिज उपलब्ध हैं; नई लाइन से सीमेंट, क्लिंकर (सीमेंट का अर्ध-निर्मित मूल पदार्थ) और अन्य माल-ढुलाई को बल मिलेगा और सीमेंट-संयंत्रों समेत नए उद्योगों की संभावना बढ़ेगी। मुकुंदपुर का व्हाइट टाइगर सफ़ारी समेत विंध्य क्षेत्र के पर्यटन को भी सीधा लाभ अपेक्षित है। देवेन्द्र नगर-चुरहट सेवा स्थानीय यात्रियों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों और व्यापारियों को अतिरिक्त यात्रा-विकल्प देगी।

राज्य-स्तरीय संदर्भ: वित्त-वर्ष 2026-27 में मध्य प्रदेश के रेल-विकास के लिए **रिकॉर्ड ₹15,188 करोड़** का आवंटन किया गया है और राज्य में लगभग **₹1,18,379 करोड़** की रेल-परियोजनाएँ प्रगति पर हैं (विज्ञप्ति-उद्धृत)।

संदर्भ और विस्तृत व्याख्या

सीधी का रेल-जाल से जुड़ना क्षेत्रीय संपर्कता के ऐतिहासिक अंतर को भरता है — स्वतंत्रता के बाद पहली बार यह ज़िला रेल-सेवा से जुड़ रहा है। दोनों खंड ललितपुर-सिंगरौली नई रेल-लाइन परियोजना के हिस्से हैं, जिसका लक्ष्य विंध्य क्षेत्र के पन्ना, सतना, रीवा, सीधी और सिंगरौली जैसे ज़िलों को जोड़ना और खनिज-समृद्ध क्षेत्रों को औद्योगिक-परिवहन केंद्रों से संपर्क देना है। रीवा-चुरहट खंड की 3.33 किमी सुरंग इंजीनियरिंग दृष्टि से उल्लेखनीय है — पहाड़ी इलाके में सुरंगें मार्ग की ढलान और लंबाई घटाती हैं। आर्थिक असर की दृष्टि से क्षेत्र में चूना-पत्थर के भंडार हैं; रेल-सेवा से सीमेंट और क्लिंकर की माल-ढुलाई सस्ती और तेज़ होगी, जिससे नए सीमेंट-संयंत्रों की संभावना बढ़ती है — अवसंरचना-निवेश का औद्योगिकरण से संबंध GS-III का प्रत्यक्ष उदाहरण है। यात्री-पक्ष में देवेन्द्र नगर-चुरहट सेवा स्थानीय यात्रियों, विद्यार्थियों और व्यापारियों को विकल्प देगी; मुकुंदपुर का व्हाइट टाइगर सफ़ारी पर्यटन को भी लाभ अपेक्षित है। राज्य-स्तरीय आँकड़े (₹15,188 करोड़ का वार्षिक आवंटन, ₹1,18,379 करोड़ की चल रही परियोजनाएँ) मध्य प्रदेश में रेल-विस्तार की गति दर्शाते हैं। याद रहे: उद्घाटन 24 अक्टूबर को कार्यक्रमित था; यह विज्ञप्ति पूर्व-घोषणा है।

PCSMANTRA.COM

परीक्षा की दृष्टि से

प्रारंभिक — सीधी (रेल-जाल से जुड़ने वाला नया ज़िला), ललितपुर-सिंगरौली परियोजना, विंध्य क्षेत्र का भूगोल और खनिज-आधारित उद्योग। मुख्य परीक्षा (GS-III) — अवसंरचना-निवेश और क्षेत्रीय विकास का संबंध।

स्रोत और सीमाएँ

- पीआईबी (रेल मंत्रालय), 23 अक्टूबर 2026 (पढ़ा): https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2327658
- **सीमाएँ:** उद्घाटन 24 अक्टूबर 2026 को कार्यक्रमित है; यह विज्ञप्ति पूर्व-घोषणा है। सभी आँकड़े विज्ञप्ति के हैं।

PCSMANTRA.COM